केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 273 मंगलवार 28 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

होमगार्ड भर्ती परीक्षा सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । जनपद में तीसरे दिन आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा 2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया है। उन्होने जनपद के संबंधित अधिकारियों एवं केन्द्र व्यवस्थापक से कहा कि उच्च निर्देशों द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

जिलाधिकारी ने आज पहली पाली में विभिन्न परीक्षा केंद्रों आर कन्या व श्रीकृष्ण पाण्डेय गर्ल्स विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षार्थियों की सघन जांच, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण प्रक्रिया तथा सीसीटीवी निगरानी की स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पायी गयी। इस दौरान केन्द्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक व संबंधित अधिकारीगण उपथित रहें।

अवैध डायग्नोस्टिक सेंटरों के जांच, कार्यवाही की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के कुदरहा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित डायग्नोस्टिक सेंटरों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के बीच कथित साठगांठ का गंभीर मामला सामने आया है। भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने जिला प्रशासन को पत्र सौंपकर एक विभागीय अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है।

भाकियू (भानू) के जिला उपाध्यक्ष उमेश गोस्वामी द्वारा जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि कुदरहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास संचालित 'सिटी डायग्नोस्टिक सेंटर' और 'आकृति डायग्नोस्टिक सेंटर' कथित रूप से अवैध तरीके से चल रहे हैं। यूनियन का दावा है कि इन सेंटरों की गलत अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के चलते कलवारी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी ओमप्रकाश यादव के नवजात शिशु की गर्भ में ही मौत हो गई।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मामले की जांच के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव निगम द्वारा गठित दो सदस्यीय टीम की अध्यक्षता उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. चौधरी को सौंपी गई है। यूनियन का कहना है कि जिन पर स्वयं इन सेंटरों को संरक्षण देने का आरोप है, वही जांच की अगुवाई कर रहे हैं, जिससे जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

किसान यूनियन ने मांग की है कि डॉ. ए.के. चौधरी को तत्काल जांच टीम से हटाया जाए और महिला अस्पताल व मेडिकल कॉलेज बस्ती के वरिष्ठ अधिकारियों की एक स्वतंत्र टीम गठित कर मामले की जांच कराई जाए। साथ ही, दोषी पाए जाने पर संबंधित डायग्नोस्टिक सेंटरों को सील कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यूनियन ने यह भी मांग की है कि गलत रिपोर्टिंग के कारण संतान खो चुके परिवार को न्याय दिलाया जाए।

यह मामला न केवल संभावित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है, बल्कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस संवेदनशील मामले में क्या कड़ा कदम उठाता है।

प्रीपेड मीटर को लेकर यूपीपीसीएल पर अवमानना का केस!

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में बिजली के स्मार्ट प्रीपेड मीटर मामले में सोमवार को उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग में उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन के खिलाफ अवमानना याचिका दायर कर दी। याचिका में कहा गया है कि प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता खत्म होने की संशोधित अधिसूचना के बाद भी यूपी में प्रीपेड मीटर के साथ ही नए कनेक्शन दिए जा रहे हैं। यह केंद्रीय कानून का उल्लंघन है।

याचिका में कहा गया है कि अनिवार्य तौर पर प्रीपेड मीटर के साथ नया कनेक्शन देकर पावर कॉरपोरेशन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की अधिसूचना और विद्युत अधिनियम–2003 की धारा 47(5) की व्यवस्था के खिलाफ काम कर रहा है। सीईए की अधिसूचना और विद्युत अधिनियम उपभोक्ताओं को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर चुनने का विकल्प देते

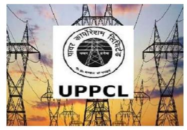

हैं। वहीं, बीते साल सितंबर के बाद से पावर कॉरपोरेशन ने प्रीपेड मीटर के साथ ही नया कनेक्शन देना अनिवार्य कर दिया है। याचिका में कहा गया है कि नई अधिसूचना एक अप्रैल 2026 को जारी हुई थी। उस अधिसूचना के बाद प्रीपेड मीटर को अनिवार्य बताने वाली अधिसूचना स्वतः समाप्त हो गई। वहीं, पावर कॉरपोरेशन पुरानी और निष्प्रभावी अधिसूचना के आधार पर अब भी प्रीपेड मीटर से ही कनेक्शन दे रहा है।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि सीईए की अधिसूचना और विद्युत अधिनियम की व्यवस्था के विपरीत जाकर प्रीपेड मीटर के साथ ही कनेक्शन देने में जुटे अधिकारी उपभोक्ताओं का हक मार रहे हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। नई अधिसूचना के विपरीत हो रहे काम से प्रदेश भर में विषम परिस्थिति खड़ी हो गई है। पावर कॉरपोरेशन की मनमानी से प्रदेश भर में असंतोष है। उपभोक्ता परिषद ने बिना उपभोक्ताओं की सहमति के प्रीपेड मोड में बदले गए 75 लाख स्मार्ट मीटरों को फिर से पोस्टपेड करने और बीते साल सितंबर के बाद से नए कनेक्शन भी पोस्टपेड करने की मांग की है। बिना उपभोक्ता की सहमति के कोई भी मीटर प्रीपेड न किया जाए।

अधिकारों के लिये संघर्ष तेज करें शिक्षक– उदय शंकर शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को बीआरसी परशुरामपुर पर शिक्षकों की बैठक में संबोधित करते हुये उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा इस कठिन दौर में सभी शिक्षक एकजुट हो और संगठन के बैनर चले संघर्ष करें। कहा कि निकट भविष्य में टेट से मुक्ति, पुरानी पेंशन बहाली, 17140 और 18150 का भुगतान सहित यह सभी मुद्दे संघर्ष से ही सफल होंगे। कहा कि सभी शिक्षक एकजुट होकर दरी पर बैठकर एक साथसंघर्ष करें सफलता अवश्य मिलेगी ।

बैठक को ब्लॉक अध्यक्ष नरेन्द्र दुबे, संरक्षक सतीश शंकर शुक्ला, मंत्री राजीव पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, रविंद्र नाथ सहित कई पदाधिकारी ने संबोधित किया । कहा कि इस समय शिक्षक अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, पुरानी पेंशन की बहाली और टेट से मुक्ति के लिये एकजुट होकर संघर्ष की धार को तेज करना होगा।

बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी बडकऊ वर्मा, डायट मेनटर अलाउद्दीन तथा सभी एआरपी के साथ ही अरविंद पाण्डेय, भरत राम उपेंद्र पाण्डेय, नवनीत मालवीय, बद्री विशाल, विनय मिश्रा, पूनम देवी, अमिताभ मिश्रा, उर्मिला त्रिपाठी, प्रतिभा निषाद, राम तीरथ जायसवाल, महादेव, धर्मेंद्र, भगवान दास सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

शिक्षकों ने किया रूधौली ब्लाक अध्यक्ष रजनीश मिश्र का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ रूधौली ब्लाक अध्यक्ष रजनीश मिश्र का सोमवार को बीआरसी रूधौली पर शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इसी कड़ी में कौशल किशोर पाण्डेय और दिनेश चन्द्र पाण्डेय को ब्लाक संरक्षक का दायित्व सौंपा गया। ब्लाक अध्यक्ष रजनीश मिश्र ने कहा कि जो दायित्व उन्हें दिया गया है उसका पूरी निष्ठा से पालन करने के साथ ही शिक्षक हितों के लिये संघर्ष जारी रहेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम में सुशील कुमार उपाध्याय, मो. शकील, गब्बूलाल, योगेश्वर शुक्ल, सच्चिदानन्द गुप्ता, अशोक कुमार, राधेश्याम, ईश्वरदेव शुक्ल, दिनेश सिंह, स्वामीनाथ, आभाकान्त द्विवेदी, प्रतुल पाण्डेय, गौरव द्विवेदी, कृष्ण कुमार शर्मा, संजय कुमार कन्नौजिया, दीपक सिंह, उमाशंकर सिंह, संजय कुमार, डा. विजय लक्ष्मी पाण्डेय, अशोक कुमार, हीरालाल मधुकर, गोरखनाथ, शिवेन्द्र सिंह, अंकित सिंह, अमित, मनोज चौधरी, सुभाष, इन्द्रजीत, भीमसेन के साथ ही अनेक शिक्षक शामिल रहे।

हाई स्कूल के मेधावी पुरस्कृत, साईकिल, के साथ शैक्षणिक सामग्री देकर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूपी बोर्ड के हाई स्कूल परीक्षा परिणामों में ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों ने सर्वाधिक अंक प्राप्त किया है। साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के छपिया लुटावन में एस.आर.ए. पब्लिक स्कूल के प्रबंधक पवन कुमार वर्मा, प्रधानाचार्य संध्या ठाकुर, ग्राम प्रधान विनय अम्बेडकर और शिक्षकों ने मेधावी छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया।

प्रबंधक पवन कुमार वर्मा ने बताया कि हाई स्कूल के परीक्षा परिणामों में गणित में 99 प्रतिशत और कुल 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा मोनी गुप्ता को साईकिल, ट्राफी, पुस्तक, स्कूल बैग देकर पुरस्कृत किया गया। 84 प्रतिशत अंक पाने वाले प्रिन्स और 83 प्रतिशत अंक पानी वाली सलोनी को स्कूल बैग, ट्राफी, और शैक्षणिक सामग्री देकर उत्साहर्धन किया गया। इसके पूर्व केक काटकर सफलता की खुशियों को साझा किया गया। प्रबंधक पवन

–बेहतर शिक्षा हमारा संकल्प–पवन कुमार वर्मा

कुमार वर्मा ने कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के बावजूद बेहतर शिक्षा देने के लिये एस.आर.ए. पब्लिक स्कूल संकल्पित है। उन्होने सफलता का श्रेय छात्रों के परिश्रम, शिक्षकों के योगदान और अभिभावकों के सहयोग को दिया। ग्राम प्रधान विनय अम्बेडकर ने मेधावी छात्रों का उत्साह बढाते हुये कहा कि शिक्षा ही वह पूंजी है जिससे सब कुछ हासिल किया जा सकता है। प्रधानाचार्य संध्या ठाकुर ने अभिभावकों को बताया कि प्रवेश जारी है और स्कूल में बेहतर शिक्षा के सभी संसाधन उपलब्ध है।

कार्यक्रम में लाल बिहारी गुप्ता, राजीव गुप्ता, जगदीश कुमार, पवन कुमार, निकलेश कुमारी, पूजा मिश्रा, प्रमिला कुमारी, लकी पाण्डेय, मधू, किरन, अजय कुमार, सरिता के साथ ही शिक्षक, छात्र और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

श्रीवशिष्ठ धाम महोत्सव में गीत, संगीत की धूम, पुरस्कृत हुये कलाकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। धनुषधारी चतुर्वेदी संगीत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित अजसा कंप्युटर इंस्टिट्यूट द्वारा संचालित श्री वशिष्ठ धाम महोत्सव कार्यक्रम बादशाह हाल सभागार में सम्पन्न हुआ ।

आयोजक धनुषधारी चतुर्वेदी ने बताया कार्यक्रम का आडिशन पहले चरण में हुआ था । इस कार्यक्रम में शहर के कलाकारों को एक मंच पर अपनी कला प्रदर्शन करने एक अच्छा अवसर मिला । संयोजक अच्युत शुक्ल ने बताया कि इस कार्यक्रम में नृत्य , संगीत , कला , मॉडलिंग एवं लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुआ ।

संगीत में अर्पित भारती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ,नृत्य में आदित्य कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया , लेखन में निधि चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया , कला में अंश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मॉडलिंग में सैफ अली , वैष्णवी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।निर्णायक मण्डल में शुभम शाहू , शिवेन्द्र पंडित , शिवांश पाण्डेय रहें । कार्यक्रम का संचालन अंजली पाण्डेय , नागेन्द्र शुक्ल ने किया। इस दौरान अतिथि के रूप में प्रवीण कुमार सिंह , भावेश पाण्डेय , मन्नू सिंह , अखिलेश पाठक , मनमोहन श्रीवास्तव , आरती देवी , जया शुक्ला , रवि पटेल , राहुल श्रीवास्तव , डॉक्टर डी के गुप्ता उपस्थित रहे । कार्यक्रम के दौरान अरुणेश सिंह , लतीफ , सुहैल , आदर्श , हर्ष , यथार्थ , मणि , आलोक के साथ ही बड़ी संख्या में संगीत और कला प्रेमी उपस्थित रहे।

नगर बाजार में भाजपा ने निकाली महिला आकोश रैली राहुल, अखिलेश का पुतला फूंककर जताया विरोध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा में नारी वंदन अधिनियम गिरने के विरोध में सोमवार को नगर बाजार में भाजपा ने महिला जनाक्रोश रैली निकाली। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम राना के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने कड़ी धूप के बावजूद मुख्य बाजार में पैदल मार्च किया। महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान और भारत माता की जय का गगनभेदी नारा पूरे बाजार में गूंज उठा। अपने अधिकारों की तख्तियां लिए महिलाओ का तेवर देखते ही बन रहा था। अमर शहीद राजा उदय प्रताप नारायण सिंह प्रतिमा स्थल तिराहे पर पहुंच महिलाओं ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला जला कर आक्रोश व्यक्त किया ।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक भाजपा महिला मोर्चा की जिला मंत्री मीना पाण्डेय ने कहा कि विपक्षी दल देश में आम महिआओ को राजनैतिक भागीदारी देने के खिलाफ हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा और शिवानी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को संसद और विधान सभा में लाकर आधी आबादी का सम्मान बढ़ाना चाहते हैं लेकिन विरोधी पार्टियां इसमें अडंगा लगा रही हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने कहा कि नारी वंदन अधिनियम परिसीमन के साथ लागू किया जाना चाहिए अन्यथा देश की महिलाएं सपा कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर देंगी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी, जिला मंत्री प्रदीप निषाद, बहादुरपुर मण्डल मंडल अध्यक्ष विजय भान सिंह,साधना सिंह, सविता तिवारी, कुमकुम निषाद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम कृपाल यादव, राज कुमारी सोनी, कृष्णावती, शारदा देवी, गुड़िया,चंपा देवी, अनिल श्रीवास्तव, रणविजय गौतम, श्रुति अग्रहरि, सरोज, राधा देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईरानी विदेश मंत्री की रूस यात्रा से भड़के ट्रंप

वाशिंगटन (आभा)। ईरान के विदेश मंत्री की रूस की यात्रा से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भड़क गए हैं। उन्होंने धमकी देते हुए कहा है कि अगर तीन दिन के अंदर ईरान समझौता नहीं करता है तो फिर उसकी तेल की पाइपलाइनों में भयंकर विस्फोट होगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप

ने कहा कि ईरान तेल निर्यात करने के लायक ही नहीं बचेगा। ट्रंप ने कहा कि नाकेबंदी की वजह से ईरान जहाजों के जरिए निर्यात नहीं कर पा रहा है। वहीं पाइपलाइन ध्वस्त होने के बाद उसका निर्यात एकदम से बंद हो जाएगा। बता दें कि ईरान के विदेश मंत्री पाकिस्तान से एक बार फिर रूस पहुंचे हैं और वह अब पुतिन से वार्ता करने वाले हैं।

तारकोल की कीमत बढने से ठेकेदार परेशानः धरना देकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अमेरिका –ईरान, इजराइल युद्ध का असर सड़क बनाने वाले तारकोल पर भी पड़ने लगा है। इसे लेकर ठेकेदार परेशान हैं। सोमवार को ठेकेदार एसोसिएशन बस्ती मण्डल के अध्यक्ष रवीन्द्रनाथ मिश्र, महामंत्री गोविन्दनाथ पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयन्त्री सिंह के नेतृत्व में ठेकेदारों ने पी.डब्लू.डी. कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। मांग किया कि बढे हुये तारकोल एवं अन्य निर्माण सामग्री के मूल्य के आधार पर अतिरिक्त धन का भुगतान कराया जाय।

धरने के बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अधीक्षण अभियन्ता कर्मवीर सिंह को सौंपा गया। अधीक्षण अभियन्ता ने ज्ञापन लेने के बाद कहा कि ठेकेदारों की मांग से शासन को अवगत करा दिया जायेगा। दिशा निर्देश के अनुरूप नियम लागू होंगे।

पी.डब्लू.डी. कार्यालय परिसर में आयोजित धरने को रवीन्द्रनाथ मिश्र, गोविन्दनाथ पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य और अमेरिका –ईरान, इजराइल युद्ध को देखते हुये तारकोल ' विटुमिन' के साथ ही निर्माण में काम आने वाले अनेक सामानों की कीमतें बढ गयी है, ऐसे में पुराने दर

–ठेकेदारों को मिले बढे दर का भुगतान–रवीन्द्रनाथ मिश्र

अनुबन्ध के आधार पर कार्य करना कठिन होता जा रहा है। सरकार और विभाग इसे देखते हुये ठेकेदारों को बढे मूल्य के आधार पर भुगतान सुनिश्चित कराये। धरना और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अजमत, भुवनेश सिंह, वीरेन्द्र पाण्डेय, नागेश सिंह, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, राघवराम यादव, अनूप चौधरी, अखण्ड, राकेश पाण्डेय, उमेश तिवारी, प्रेम सागर गुप्ता, दीना वर्मा, राम नरेश पाठक, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, मनोज तिवारी, सन्तराम चौधरी, हर गोविन्द दूबे, अम्बिका, राजेश, करीम अहमद, हरिशंकर, राजेश गिरी, अमरेन्द्र, विजय यादव, नरेन्द्र सिंह, वी.के. श्रीवास्तव, हरिनरायन दूबे, सुखदेव पाठक, चन्द्रकेश, अनिल, मनीष सिंह, हरिशंकर के साथ ही बड़ी संख्या में ठेकेदार और एसोसिएशन के पदाधिकारी शामिल रहे।

विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार, हत्या से रोषः राज्यपाल को भेजा 6 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गाजीपुर जनपद के करण्डा थाना क्षेत्र के कटरिया गांव में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार के बाद शव को गंगा नदी में फेंक देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष बैजनाथ शर्मा और द अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा जिलाध्यक्ष चौथीराम के नेतृत्व में पदाधिकारियों और विश्वकर्मा समाज के लोगों ने राज्यपाल को सम्बोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

राज्यपाल को भेजे 6 सूत्रीय ज्ञापन में पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के ऊपर हुये हमले के दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किये जाने, निशा विश्वकर्मा के हत्यारों को फांसी की सजा दिलाये जाने, निशा विश्वकर्मा के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा दिलाये जाने, पीड़ित परिवार की सुरक्षा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह आशु के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजे जाने,

–दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ पीड़ित परिवार को मिले मुआवजा–बैजनाथ शर्मा

सीओ सिटी और थानाध्यक्ष करण्डा सहित लापरवाही बरतने वाले सम्बंधित पुलिस कर्मियों को बर्खास्त किये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के बाद अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष बैजनाथ शर्मा ने कहा कि न्याय न मिला तो विश्वकर्मा समाज चुप नहीं बैठेगा और आन्दोलन को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से हरेश्याम विश्वकर्मा, राम अचल शर्मा, उदयराज विश्वकर्मा, ब्रम्हानन्द शर्मा, श्रीप्रकाश शर्मा, रामरूप शर्मा, जितेन्द्र, बीरू विश्वकर्मा, मुकेश शर्मा, गुलाब शर्मा, सुभाषचन्द्र शर्मा, दीनानाथ शर्मा, जितेन्द्र विश्वकर्मा, रमेश शर्मा, श्रवण विश्वकर्मा, शिवशंकर विश्वकर्मा, संजय शर्मा, मनोज विश्वकर्मा, नन्दलाल विश्वकर्मा, संजय शर्मा, कपिलदेव विश्वकर्मा के साथ ही बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग और पदाधिकारी शामिल रहे।

आईजीआरएस में फर्जी निस्तारण का आरोप पहले दिया संस्तुति, फिर पलट दिया रिपोर्ट

–पूर्व विधायक संजय प्रताप ने किया मामले की जांच की मांग
–आयुष विभाग की कार्यशैली पर मनोज सिंह ने उठाये सवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। आयुष विभाग का विवाद अब सिर्फ आरोपों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली पर सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। मानपुर बाबू निवासी मनोज सिंह ने आरोप लगाया है कि क्षेत्रीय आयुष अधिकारी डॉ. जगदीश यादव और आईजीआरएस पटल पर तैनात कर्मचारी विकास सिंह ने पैसे लेकर न केवल भ्रामक रिपोर्ट तैयार की, बल्कि पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन अधिकारियों ने खुद मौके का सर्वे कर प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन को उपयुक्त बताते हुए संस्तुति दी थी, वही अब अपनी ही रिपोर्ट से पलट गए। आखिर ऐसा क्या हुआ कि "सब कुछ ठीक" अचानक "सब कुछ गलत" हो गया? यह यू–टर्न महज लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित खेल की ओर इशारा करता है।

आरोप है कि भानपुर तहसील के ग्रामसभा लोढ़वा, नथवापुर में भूमि

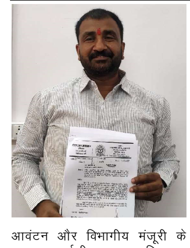

आवंटन और विभागीय मंजूरी के बावजूद, आईजीआरएस पर शिकायत आते ही बिना स्थलीय निरीक्षण की फाइल निपटा दी गई। इससे साफ संकेत मिलता है कि कागजों में ही पूरा खेल कर दिया गया और जमीनी सच्चाई को दरकिनार कर दिया गया। मामले ने तूल पकड़ लिया है।

इस सम्बन्ध में रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

मनोज सिंह ने दो टूक कहा है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो वह न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी अपनी जिम्मेदारी भूलकर योजनाओं को "कमाई का जरिया" बना रहे हैं, जिससे सरकार की मंशा और जनता दोनों के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अब यह मामला प्रशासन के लिए बड़ी परीक्षा बन चुका है, क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी या फिर फाइलों के नीचे दबाकर मामला ठंडा कर दिया जाएगा, यही सबसे बड़ा सवाल है।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 28 अपैल 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

इलाज के नाम पर...?

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं।

यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है। हाल के वर्षों में सरकारी अस्पतालों की बदहाली के चलते ज्यादातर भारतीय निजी अस्पतालों की ओर ही रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां सरकारी अस्पतालों से कई गुना अधिक उपचार लागत होती है। कोरोना संकट में हमने देखा कि महंगे उपचार के चलते तमाम लोग गरीबी के दलदल में चले गए। दरअसल, आज हालातवश सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं वाले अस्पतालों में भर्ती होने की हिस्सेदारी घटने के साथ ही मरीजों को अनिवार्य रूप से अधिक महंगे विकल्पों की ओर धकेला जा रहा है, जिससे बीमा सुरक्षा के लाभ कम हो रहे हैं। आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन भी एक और बाधा बनी है। वहीं देर से मिलने वाली सरकारी चिकित्सा बीमा राशि भी मरीजों के लिए किफायती सेवाओं को बाधित कर रही है। यदि इन सरकारी योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पताल मरीजों के उपचार से पीछे हट जाते हैं तो सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित बीमा की अवधारणा खतरे में पड़ जाती है, जिससे वंचित होने से नागरिकों का उपचार अधर में लटक जाएगा। निस्संदेह, बीमा कवरेज ही काफी नहीं है, देश को अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को भी मजबूत करना होगा। साथ ही सरकारी योजनाओं के तहत समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा अस्पताल के बिल मजबूर लोगों की आय व बचत को पलीता लगाते रहेंगे।

सत्ता की पैंतरेबाजी में नैतिकता के यक्ष प्रश्न

—ज्योति मल्होत्रा—

पानीपत की पहली लड़ाई के बाद के 500 साल में देश में बहुत कुछ बदला, फिर भी बहुत कुछ पहले जैसा है। खासकर सियासत में मूल्यों का पराभव। बहरहाल, बंगाल और पंजाब काफी समय से भाजपा के निशाने पर हैं। बंगाल चुनाव में भाजपा पहले चरण की वोटिंग के बाद जीत का दावा कर रही। वहीं, ममता बनर्जी जानती हैं कि बंगाल की लड़ाई पूरे विपक्ष पर गहरा असर डालेगी।

पांच सौ साल पूर्व, चंडीगढ़ से सिर्फ 161 किमी. दूर पानीपत शहर में 21 अप्रैल, 1526 को जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ने दिल्ली सल्तनत के अंतिम व क्रूरतम सुल्तान इब्राहिम लोदी को हरा डाला और भारत में मुगल शासन की नींव रखी थी।

इसके 231 साल बाद, सुदूर बंगाल में 1757 में प्लाशी के युद्धक्षेत्र में— जिसे अंग्रेजी में 'प्लासी का युद्ध' कहा जाता है— मिली हार के साथ बाबर द्वारा स्थापित यह मुगलिया साम्राज्य अपनी विराटता का अंश मात्र रह गया था। दिल्ली के लाल किले में बैठा आलमगीर द्वितीय नाममात्र का ही बादशाह था। दो साल बाद 1759 में सत्ता संभालने वाले उसके पुत्र, शाह आलम द्वितीय के बारे यह फारसी तंज आम था, 'सल्तनत—ए—शाह आलम, अज दिल्ली ता पालम' अर्थात शाह आलम की सल्तनत दिल्ली से पालम तक ही बची है (वर्तमान पुरानी दिल्ली—6 से लेकर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल—1 तक, मात्र 30 किमी. तक)।

पंजाब में, जहां गर्मियों के दिन पहले ही काफी गर्म हो चुके हैं, कोयल जोर—जोर से कूक रही है और आम के पेड़ों पर आया बोर गिर चुका है, इतिहास के इस छोटे से पाठ की जरूरत शायद ही थी। पंजाब को यह सब बताने की जरूरत नहीं, उसने पिछले 500 सालों में—उससे भी पहले— हमेशा यही कुछ देखा, वह मैदानी क्षेत्र जो हमलावरों, विजेताओं, तानाशाहों, लोकतांत्रिक शासकों के लिए पसंदीदा पड़ाव रहा है।

और फिर यहां बंगाल है। भारत में कहीं भी जो कुछ भी होता है, वह उपमहाद्वीप के इस हिस्से में कई गुना ज्यादा होकर घटित होता है। हरियाली अधिक हरी है, खासकर मॉनसून के दौरान। लाल रंग ज्यादा सुर्ख होता है, विशेषकर'पूजो' के उन नौ दिनों में जब देवी अधिष्ठात्री होती है। नदियां भी अधिक लंबी हैं—कुछेक तो पंजाब की नदियों से भी, हालांकि दोनों राज्यों में ऐसी नदियां हैं जो दूसरे देशों तक बहती हैं और अन्य जातियों—धर्मों के लोगों को भी अपनी जलधारा से जीवन निर्वाह का मौका देती हैं (इसके अलावा, 1398 में, जब बाबर का पूर्वज तैमूर पंजाब को तबाह कर रहा था— बाबर द्वारा अपने सह—धर्मी सुल्तान को हराकर हिंदुस्तान जीतने से करीब एक सौ साल पहले— बंगाल के मुस्लिम पठान शासक, मसलन गयासुद्दीन आजम शाह,रामायण जैसे हिंदू महाकाव्यों का बंगाली में अनुवाद करने को प्रोत्साहन दे रहे थे, इसके अलावा उन्होंने चीन के मिंग राजवंश के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित किए और फारसी कवि हाफिज के साथ मिलकर कविताएं लिखीं)।

बंगाल में सभी भावनाएं मिल—जुल कर एक साथ चलती हैं। गुस्सा रू 1905 में प्रांत का बंटवारा। पुनः विलय रू 1911 में फिर से एक होना। धोखा रू मीर जाफर, सुवेंदु अधिकारी। धर्म रू 1906 में मुस्लिम लीग का जन्म और 1977—2011 तक नास्तिक कम्युनिस्टों का 34 वर्षीय शासन। संस्कृति रू जन—गण—मन और वंदे मातरम्। साम्राज्य रू 1757 में प्लासी में मुगलों का पतनय 1857 में बैरकपुर में, ईस्ट इंडिया कंपनी का और ब्रिटिश राज का उत्थान और पतन। बदला रू 'डायरेक्ट एक्शन डे',1946। राजनीतिरू 1947 में देश विभाजन।

चाहे आप बंगाल से प्यार करें या नफरत, किंतु आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह, दोनों ही इस शाश्वत सत्य को अच्छी तरह समझते हैं, कि अमर्त्य सेन का 'ऑर्ग्युमेंटेटिव इंडियन' संभवतया बंगाली ही है। इसी नाम वाली उनकी किताब की अधिकतम उद्धृत पंक्ति में सेन की दलील है कि भारत की सदियों पुरानी संवाद परंपरा इसलिए बहुत बढ़िया है क्योंकि जाति, वर्ग और शिक्षा स्तर से इतर, विचारों में भिन्नता इसे समृद्ध बनाती है।

किताब की प्रस्तावना में सेन लिखते हैं— 2004 के आम चुनावों से ठीक पहले, कोलकाता में उनके घर के बाहर एक ग्रामीण,जो 'मुश्किल से साक्षर व बहुत गरीब था', ने उनसे कहा रू 'हमें चुप करा देना बहुत मुश्किल नहीं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि हम बोल नहीं सकते'।

कोई हैरानी की बात नहीं कि बंगाल—और पंजाब भी, जैसा कि बीते शुक्रवार शाम पूरी तरह साफ हो गयाकृकाफी समय से भाजपा के निशाने पर हैं। 2021 के विपरीत, जब प्रधानमंत्री का 'दीदी, ओ दीदी' वाला ताना बंगालियों को ज्यादा रास नहीं आया था, इस बार भाजपा के तरकश में कहीं ज्यादा किस्म के तीर हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण में 27.10 लाख मतदाताओं के नाम कटने से—जिससे राज्य की मतदाता सूची में 11.63 प्रतिशत की गिरावट आई— सियासी समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए। मतदान के पहले चरण के बाद भाजपा अपनी जीत का दावा कर रही है। वहीं दूसरी ओर, ममता बनर्जी भी जानती हैं कि बंगाल की यह लड़ाई न सिर्फ उनके अपने राजनीतिक कैरियर को बनाएगी या बिगाड़ेगी, बल्कि समूचे विपक्ष के भविष्य पर भी इसका गहरा असर पड़ेगा। बंगाल में घूमना और वहां की बदलती कहानी को देखना काफी आसान है—यदि आप उत्तर प्रदेश और बिहार की तरफ से आ रहे हैं, तो बस गंगा नदी के किनारे—किनारे चलते रहिए। प्लासी से ज्यादा दूर नहीं—जहां 1757 में मुगल क्षत्रप सिराज—उद—दौला के पतन की घंटी बजी थी—मुर्शिदाबाद जिला है। 19वीं सदी में यह क्षेत्र दुनिया के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में एक था, और आज यह ममता और तृणमूल के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के बीच तनातनी का केंद्र बना है। हुमायूं कबीर ने अब अपनी अलग पार्टी बना रखी है— दोनों ही अल्पसंख्यक वोटों को अपनी ओर खींचने की होड़ में लगे हैंय जिसका अर्थ है कि ममता का यह गढ़ अब पहले जितना सुरक्षित नहीं रहा।

आप मुर्शिदाबाद में भागीरथी नदी को एक बेड़े के सहारे पार कर सकते हैं—बताते चलें कि इस बेड़े पर न सिर्फ लोग बल्कि एक—दो साइकिलें या स्कूटर, और साथ में कुछ मुर्गियां भी सवार होती हैं। नदी के दूसरी तरफ 'हजारद्वारी' स्थित है—यह 1837 में नवाब हुमायूं जाह द्वारा बनवाया 900 कमरों वाला ग्रीक—शैली का अद्भुत महल है। इस महल में अकबर के शासनकाल की मशहूर किताब 'आईन—ए—अकबरी' की सात मूल प्रतियों में से एक प्रति सुरक्षित रखी है। यहां सदियों पुरानी बंगाल की इस कहानी में एक और मोड़ है— श्जाहश उस सिराज—उद—दौला का उत्तराधिकारी नहीं था, जो प्लासी की लड़ाई में रॉबर्ट क्लाइव से हारा था बल्कि उस मीर जाफर की संतान था, जिसने 1757 में बंगाल के नवाब से विश्वासघात कर अंग्रेजों का साथ दिया था।

ऐसा नहीं है कि विश्वासघात केवल बंगाल में ही होता है। यहां, पंजाब के मैदानों की गर्मी और मिट्टी के बीच, गत शुक्रवार सत्ताधारी आम आदमी पार्टी में पड़ी फूट—जब दलबदल करने वाले 7 सांसदों में से 3 भाजपा में शामिल हो गए— ने राजनीतिक हलकों में सिहरन पैदा कर दी। संदेश साफ है, न तो आने वाले हफ्ते में बंगाल में, और न ही पंजाब में— जहां एक साल से भी पहले चुनाव होने हैं,भाजपा कोई कसर छोड़ेगी। उसे विश्वास है कि देश के दो छोरों पर स्थित इन दोनों राज्यों में, जहां वह आजतक अकेले अपने दम पर शासन नहीं कर पाई, वहां सत्ता हासिल करने का मौका मिल सकता है, और ऐसा करने के लिए वो हर चीज करेगी, जो कर सकती है। पानीपत के प्रथम युद्ध के बाद गुजरे 500 सालों में, बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन बहुत कुछ वैसा ही बना हुआ है—पहले विश्व युद्ध के परिप्रेक्ष्य में टीएस इलियट ने श्द वेस्ट लैंडश लिखते समय, पता नहीं बाबर के बारे में सोचा होगा या नहीं, जब उन्होंने युद्ध से उपजी नैतिक शून्यता और थकावट को व्यक्त करती अविस्मरणीय पंक्ति लिखी थी रू 'अप्रैल क्रूरतम महीना है...'। शुक्र है यह महीना जल्द ही खत्म होने जा रहा है।

—लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

क्षेत्रवार कृषि नीति में बड़े बदलाव की तैयारी

—पुनीत उपाध्याय —

भारत सरकार क्षेत्रवार कृषि नीति, नकली बीज और कीटनाशकों पर सख्त कानून की तैयारी कर रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में लखनऊ में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कृषि नीति में बड़ा बदलाव करने जा रही है। अब खेती के लिए पूरे देश में एक जैसी नीति के बजाए क्षेत्रवार रणनीति बनाई जाएगी। जलवायुए पानी की उपलब्धता, भूमि की स्थिति और फसल पैटर्न के आधार पर अलग.अलग क्षेत्रों के लिए अलग योजना तैयार होगी। उन्होंने कहा कि भारत को कृषि विकास के लिए अब व्यावहारिक और स्थानीय जरूरतों पर आधारित मॉडल अपनाना होगा। लखनऊ सम्मेलन में शिवराज सिंह चौहान का संदेश साफ रहा कि आने वाला समय वैज्ञानिक, टिकाऊ, जलवायु अनुकूल और किसान.केंद्रित खेती का है। यदि राज्य और केंद्र मिलकर काम करें तो भारतीय कृषि को नई ऊंचाई दी जा सकती है। इसी सोच के तहत देश को पांच कृषि क्षेत्रों में विभाजित किया गया है और हर क्षेत्र के लिए अलग सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं ताकि राज्यों के साथ मिलकर खरीफ और रबी मौसम की ठोस कार्ययोजना बनाई जा सके। केंद्रीय मंत्री ने राज्यों से अपील की कि वे अपनी कृषि परिस्थितियों के अनुसार अलग रोडमैप तैयार करें। उन्होंने कहा कि जब तक हर राज्य अपनी मिट्टी, पानी, फसल और बाजार के हिसाब से दीर्घकालिक योजना नहीं बनाएगा तब तक कृषि का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार वैज्ञानिकों, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से राज्यों को पूरा सहयोग देगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने खाद्यान्न उत्पादन, खासकर गेहूं और धान में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं लेकिन आने वाले समय में केवल इन फसलों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। अब दालें, तिलहन, बागवानी, फल, सब्जियां, खाद्य प्रसंस्करण और वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के सामने कृषि क्षेत्र के तीन बड़े लक्ष्य हैं— देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की

आय बढ़ाना और नागरिकों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना। चौहान ने बताया कि सरकार की कृषि रणनीति छह प्रमुख स्तंभों पर आधारित है—उत्पादन बढ़ाना, लागत घटाना, किसानों को मेहनत का उचित मूल्य दिलाना, नुकसान होने पर मुआवजा देना, फसल विविधीकरण बढ़ाना और किसानों को बाजार से जोड़ना। खेती को अब केवल उत्पादन तक सीमित नहीं देखा जा सकता। इसे प्रसंस्करण, निर्यात, तकनीक और पर्यावरणीय स्थिरता से जोड़कर देखना होगा।

मंत्री ने कहा कि छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में छोटे किसान हैं इसलिए कम जमीन से अधिक आय देने वाले मॉडल अपनाने होंगे। उन्होंने अंतरवर्तीय फसल प्रणाली, अनाज के साथ फल.सब्जी उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन और वृक्ष आधारित खेती जैसे एकीकृत कृषि मॉडल को छोटे किसानों के लिए उपयोगी बताया। केंद्र सरकार ऐसे कई मॉडल तैयार कर चुकी है जिन्हें राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार लागू कर सकते हैं।शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पहले खरीफ और रबी सीजन को लेकर पूरे देश के लिए एक ही बैठक होती थी, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में एक मंच पर सभी क्षेत्रों की समस्याओं पर गहराई से चर्चा संभव नहीं थी। इसी कारण अब जोनल कॉन्फ्रेंस मॉडल शुरू किया गया है ताकि हर क्षेत्र की मिट्टी, जलवायु, पानी, फसल प्रणाली और स्थानीय चुनौतियों के अनुसार रणनीति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत कृषि दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र हैए जहां पंजाब और हरियाणा हरित क्रांति के केंद्र रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अभी भी बड़ी संख्या में किसानों को सस्ता संस्थागत ऋण नहीं मिल पा रहा है। इसलिए हर पात्र किसान तक किसान क्रेडिट कार्ड पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा ताकि किसान समय पर बीज, उर्वरक, मशीनरी और अन्य संसाधन खरीद सकें। उन्होंने फार्मर आईडी को कृषि प्रशासन में बड़ा सुधार बताया। इसके तहत भूमि रिकॉर्ड, खसरा नंबर, पशुधन और किसान से जुड़ी अन्य जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी जिससे योजनाओं का लाभ तेजी और पारदर्शिता से मिल सकेगा। मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक शोध का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए विकासित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत वैज्ञानिकों और अधिकारियों की टीमें गांव.गांव जाकर किसान सभाएं करेंगी और नई तकनीक, उन्नत बीज तथा वैज्ञानिक खेती की जानकारी देंगी। उन्होंने कहा कि जब तक प्रयोगशाला का ज्ञान खेत तक नहीं पहुंचेगा तब तक शोध का वास्तविक लाभ किसानों को नहीं मिलेगा। सबसे महत्वपूर्ण घोषणा नकली बीज, नकली कीटनाशक और मिलावटी कृषि उत्पादों के खिलाफ कड़े कानून बनाने को लेकर रही। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मौजूदा कानून पर्याप्त सख्त नहीं हैं। कई मामलों में मामूली जुर्माने का प्रावधान है जिससे दोषियों में डर नहीं बनता। इसलिए बीज अधिनियम और कीटनाशक कानून में सख्त प्रावधान लाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल किसानों की फसल का मामला नहीं है बल्कि मानव स्वास्थ्य से भी जुड़ा गंभीर विषय है। प्राकृतिक खेती और बागवानी को बढ़ावा देने को लेकर मंत्री ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है।

सामान्य से कम मानसून का संकट

—अमिताभ सिन्हा—

मानसून के मौसम में लगातार 7 वर्षों की अच्छी बारिश के बाद, भारत की किस्मत अब साथ छोड़ती दिख रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) के पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल का मानसून अपेक्षाकृत शुष्क रहने की उम्मीद है। आने वाली वर्षा ऋतु के अपने पहले पूर्वानुमान में, आई.एम.डी. ने मंगलवार को कहा कि पूरे देश में इस बार सामान्य की तुलना में केवल '92 प्रतिशत बारिश' होने की संभावना है। यह पिछले 20 वर्षों में आई.एम.डी. द्वारा जारी किया गया अब तक का सबसे कम अखिल भारतीय मानसून वर्षा का पूर्वानुमान है। जून से सितंबर तक चलने वाला 4 महीने का मानसून, भारत की वाघ्षक वर्षा का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लाता है। भीषण गर्मी से राहत देने के अलावा, इस मौसम में होने वाली बारिश का अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव पड़ता है।

भारत की लगभग आधी फसल भूमि अभी भी सिंचाई के लिए वर्षा जल पर निर्भर है। अच्छी कृषि पैदावार के लिए समय पर और पर्याप्त वर्षा महत्वपूर्ण है, जो बदले में कृषि आय और ग्रामीण मांग को बढ़ाती है। मानसून की बारिश भारत के जलाशयों को भी भरती है, जिनका उपयोग शेष वर्ष के लिए पीने के पानी, जलविद्युत और उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है। नदियों के प्रवाह को बनाए रखना, अंतर्देशीय जल परिवहन और भूजल पुनर्भरण कुछ अन्य चीजें हैं, जो मानसून की बारिश से प्रभावित होती हैं। कम बारिश का पूर्वानुमान, जैसे कि इस साल का, सरकारों और नीति निर्माताओं के लिए एक तरह का नोटिस है कि वे शुष्क मानसून सीजन के प्रभावों को सोखने के लिए सभी प्रकार की आकस्मिकताओं की तैयारी शुरू कर दें।

बढ़ता लचीलापन — हाल तक, अपेक्षाकृत कम वर्षा की भविष्यवाणी आमतौर पर सरकार में खतरे की घंटी बजा देती थी। इसे कृषि संकट और आर्थिक विकास की संभावनाओं पर रोक के एक निश्चित संकेत के रूप में देखा जाता था। पिछले कुछ वर्षों में चीजें बहुत बेहतर हुई हैं। इसलिए कि भारत विभिन्न क्षेत्रों में विविध पहलों के कारण मानसून की

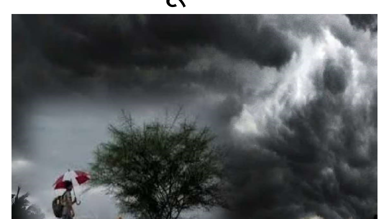

बारिश के वाघ्षक उतार—चढ़ाव के प्रति धीरे—धीरे अधिक लचीला होता जा रहा है। पिछले एक दशक में आई.एम.डी. के पूर्वानुमान न केवल अधिक सटीक और समयबद्ध हो गए हैं, बल्कि अधिक विस्तृत, सूक्ष्म और कार्रवाई योग्य भी हो गए हैं। इसने नीति नियोजन प्रक्रिया में अधिक दक्षता और निश्चितता ला दी है। पूर्वानुमान की सटीकता में यह सुधार ऐसे समय में आया है, जब जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में मौसम के पैटर्न तेजी से अप्रत्याशित होते जा रहे हैं। आई.एम.डी. के सामने आगे की चुनौती इन घटनाओं के पूर्वानुमानों में और सुधार करना है, क्योंकि इनमें बड़े पैमाने पर आपदा और विनाश पैदा करने की क्षमता होती है। बेहतर जल प्रबंधन प्रथाएं, जलाशयों के संरक्षण के प्रयास, नदी और झील सफाई अभ्यासों ने यह सुनिश्चित करने में योगदान दिया है कि भारत मानसून के दौरान बारिश की कमी से निपटने के लिए बहुत बेहतर तरीके से तैयार है। प्रमुख ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों का एक बड़ा हिस्सा जल संरक्षण पर केंद्रित था। ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों तालाबों, कुओं, चौक डैमों और अन्य समान संपत्तियों के निर्माण ने पानी की उपलब्धता में सुधार किया है, भूजल स्तर को बढ़ाया है और वर्षा जल पर निर्भरता कम की है। इसी तरह, नदी और झील सफाई अभ्यासों ने कई जल निकायों को सामान्य उपयोग के लिए सुलभ बना दिया है। खराब मानसून वर्ष में एक बड़ी चिंता जलाशयों का खाली होना होती है। पिछले 2 वर्षों में हुई भरपूर बारिश के कारण (2024 और 2025 दोनों में मानसून के दौरान 100 प्रतिशत से अधिक बारिश हुई) जलाशय अभी तुलनात्मक रूप से आरामदायक स्थिति में हैं। जब तक बारिश की कमी वास्तव में बहुत तीव्र न हो, भारत बारिश की अधिकता की तुलना में कमी से निपटने के लिए बेहतर तैयार दिखता है, विशेष रूप से जब इसके कारण बाढ़ और आपदाएं आती हैं। पिछले एक दशक में हर साल भारी वर्षा की घटनाओं के परिणामस्वरूप कम से कम एक बड़ी आपदा हुई है। प्रभाव एकसमान नहीं रू 92 प्रतिशत वर्षा के पूर्वानुमान का मतलब यह नहीं है कि देश के हर स्थान पर कम वर्षा होने की संभावना है। विशिष्ट क्षेत्रों और महीनों के लिए पूर्वानुमान मई के महीने में किए जाते हैं। इस वर्ष, हालांकि, आई.एम.डी. ने इस बात का संकेत दिया है कि व्यक्तिगत क्षेत्रों और महीनों के लिए क्या स्थिति हो सकती है। 'सामान्य से कम बारिश' लगभग पूरे देश में अपेक्षित थी और उत्तर—पूर्व, उत्तर—पश्चिम और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के केवल कुछ क्षेत्रों में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद की जा सकती थी। सीजन के पहले 2 महीनों (जून और जुलाई) में बारिश सामान्य रहने की संभावना है, जबकि दूसरी छमाही (अगस्त और सितम्बर) के शुष्क रहने की उम्मीद है, क्योंकि मानसून की बारिश को दबाने का मुख्य कारण, पूर्वी प्रशांत महासागर में अल नीनो घटना, जुलाई में कभी शुरू होने की उम्मीद है और भारत पर इसका प्रभाव आमतौर पर 1 या 2 महीने के अंतराल के बाद महसूस किया जाता है। अप्रैल में ही विशिष्ट महीनों और क्षेत्रों के दौरान संभावित प्रभावों का संकेत देना अपने पूर्वानुमानों में आई.एम.डी. के बढ़ते आत्मविश्वास का संकेत है।—

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर चचेरे भाइयों समेत तीन की मौत

संवाददाता—बहराइच। जिले के रामगांव थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस घर जा रहे बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा जहां पर परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, तीसरे की हालत गंभीर देख उसे लखनऊ रेफर कर दिया लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। मृतकों में दो चचेरे भाई हैं। बौंडी थाना क्षेत्र में स्थित चुन्नी लाल पुरवा ग्राम के रहने वाले उत्तम चौहान अपने चचेरे भाई अजय चौहान व ग्राम के रहने वाले रिंकू जायसवाल के साथ बाइक से रामगांव थाना क्षेत्र में स्थित गढ़वा ग्राम में रविवार की रात मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे जब सभी देर रात वापस घर लौट रहे थे तभी करीब दो बजे नौतला ग्राम के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी जिसके चलते तीनों गम्भीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी पर थाना प्रभारी गुरुसेन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया जहां पर परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने रिंकू व उत्तम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अजय को इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना प्रभारी ने बताया कि सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हुई है। दुर्घटना करने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

चलती बाइक पर गिरा पीपल पेड़, दो भाइयों की मौत, 2 घंटे बाद कटर से काटकर निकाले शव

संवाददाता—गोण्डा। चलती बाइक पर अचानक पीपल का विशालकाय पेड़ गिर गया। जब तक बाइक पर सवार दोनों युवक संभल पाते पेड़ उनके सिर पर गिर पड़ा। दोनों के सिर के बल पेड़ के नीचे दब गए। एक का सिर तो बुरी तरह कुचल गया, दूसरे की गर्दन की हड्डी टूट गई। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। राहगीरों ने दोनों के शवों को पेड़ के नीचे से निकालने की कोशिश की, पर। सूचना पर पुलिस पहुंची। कटर मशीन मंगाई गई। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ को काटकर दोनों के शव निकाले गए। पेड़ को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया गया। पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन शवों की हालत देखकर बदहवास हो गए। इनमें से एक युवक के सगे छोटे भाई की कल ही 28 अप्रैल को शादी होनी थी। वह अपने ममेरे भाई के साथ शादी के सामानों की शॉपिंग करने बाजार जा रहा था। दोनों की मौत से शादी वाले घर में मातम पसरा हुआ है। घटना जिला मुख्यालय से 32 किलोमीटर दूर नवाबगंज—तरबगंज मार्ग पर पिपरी गांव के पास की है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत धौरहरा घाट के सीरपुरवा निवासी काशीराम यादव के बड़े बेटे दुर्गेश यादव की मंगलवार, 28 अप्रैल को शादी होनी है। घर में रिश्तेदार जुटे हुए हैं, टेंट सजा हुआ है। दादा राम संवारे यादव ने बताया कि दुर्गेश का छोटा भाई रिंकू (17) अपने मौसेरे भाई अमित यादव (18) पुत्र नकछेद यादव निवासी भोपतपुर, हन्नाटायर, नवाबगंज थाना के साथ शादी के लिए तेल—पूजन और कपड़े का सामान लेने बाइक लेकर घर से सुबह करीब 11:30 बजे निकला था। घर से दो किलोमीटर दूर ही पहुंचे थे कि नवाबगंज—तरबगंज मार्ग पर पिपरी गांव के पास परमहंस प्राथमिक विद्यालय के ठीक सामने दोपहर करीब 12:15 बजे अचानक एक पीपल का विशालकाय पेड़ बाइक पर गिर गया। इससे पहले कि दोनों संभल पाते पेड़ के नीचे दब गए। रिंकू का सिर कुचल गया, जबकि अमित की गर्दन की हड्डी टूट गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को बाहर निकालने की कोशिश की, पर पेड़ भारी होने के कारण नहीं निकाल सके। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची। जानकारी मिलने पर हम लोग भी पहुंचे। पर पेड़ को हिला तक नहीं पाए। पुलिस ने कटर मशीन मंगाई। काफी मशक्कत के बाद करीब दोपहर 2:00 बजे पेड़ को बीच से काटकर दोनों के शवों को बाहर निकाला गया। हमसे तो हमारे दोनों पोतों का चेहरा तक नहीं देखा गया। इस दौरान करीब दो घंटे तक नवाबगंज—तरबगंज मार्ग पर ट्रैफिक बाधित रहा। रोड के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने पेड़ को काटकर यातायात सामान्य कराया।

अमित के चचेरे भाई राम देव यादव ने बताया कि दुर्गेश के घर में तेल पूजन का कार्यक्रम था। अमित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ही आया था। तभी रिंकू कुछ सामान लाने के लिए उसे अपने साथ बाइक से बाजार लेकर चला गया। रिंकू और अमित दोनों अभी पढ़ाई कर रहे थे। दोनों के घरों के बीच की दूरी महज 1 किलोमीटर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस पीपल के पेड़ के कारण यह हादसा हुआ, वह बेहद पुराना और जर्जर था। रोड के ठीक किनारे था। आए दिन हादसे का खतरा बना रहता था। बारिश—आंधी में अक्सर पेड़ की टहनियां टूट गिरती रहती थीं। कई बार प्रशासन से इसे हटाने की मांग की जा चुकी थी। अगर पहले हटा दिया गया होता, तो शायद दोनों युवक आज जिंदा होते।

क्षय रोगियों के पोषण की भी जिम्मेदारी हम सबकी —दद्दन मिश्र

संवाददाता—श्रावस्ती। इंडियन रेडक्रास सोसायटी क्षय रोगियों को पोषण पोटलियों का वितरण कर रही है। इसी के क्रम में सोमवार को रेडक्रास के पैटर्न सदस्य व अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र ने सीएचसी सिरसिया में 100 क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि रेडक्रास के चेयरमैन व प्रदेश के उप मुख्यमंत्री की प्रेरणा से रेडक्रास ने जिले के सभी क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित करने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में अब तक 500 पोषण पोटलियां वितरित की जा चुकी हैं। हम लगातार अपने क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य की चिंता करते रहेंगे। क्षय रोगियों को सरकार दवा उपलब्ध करा रही है और रेडक्रास जनभागीदारी से पोषण पोटलियां उपलब्ध करा रहा है, ताकि जल्द जिला टीबी मुक्त हो सके। उन्होंने कहा कि दवा के साथ क्षय रोगियों को पोषण की भी जिम्मेदारी हम सब की है। रेडक्रास सचिव अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि क्षय रोगियों को पोषण पोटली उपलब्ध कराना रेडक्रास के वार्षिक एजेंडे में है। अभी तक प्रत्येक ब्लाक में 100—100 पोषण पोटलियों का वितरण कराया जा चुका है। जिसे भविष्य में भी जारी रखा जाएगा। इस मौके पर डा संत कुमार, डा प्रवीण कुमार भैया, अधीक्षक डा प्रवीण कुमार, डीपीसी रवि कुमार मिश्र, शाहिद खान, अरविन्द बाछिल आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग रिक्शा चालक से मारपीट का वीडियो वायरल, हेड कांस्टेबल निलंबित

संवाददाता—महराजगंज। घुघली थाना क्षेत्र में दिव्यांग रिक्शा चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इसमें आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं, घटना से जुड़ा एक वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने संबंधित हेड कांस्टेबल को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे पकड़ी सिसवा चौराहे पर एक व्यक्ति की ओर से दिव्यांग रिक्शा चालक के साथ मारपीट किए जाने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थाना घुघली में तैनात हेड कांस्टेबल विनय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे।

वहां उन्होंने देखा कि रामउग्रह नामक व्यक्ति, जो स्वयं भी रिक्शा चालक है। शराब के नशे में भकोल शर्मा नामक दिव्यांग रिक्शा चालक के साथ मारपीट कर रहा था। पुलिसकर्मी ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों को अलग करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी रामउग्रह पुलिस से ही उलझ गया और दुर्व्यवहार करने लगा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। इसके बाद पीड़ित भकोल शर्मा की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने मामले को गंभीरता से लिया और अशोभनीय व्यवहार पाए जाने पर हेड कांस्टेबल विनय कुमार सिंह को निलंबित कर दिया। साथ ही, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने कहा की कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन इसके साथ ही आचरण की मर्यादा का पालन भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता या अभद्र व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने पर कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सांप के डसने से पति—पत्नी की मौत

संवाददाता—बहराइच। मोतीपुर इलाके में देर रात एक दंपती को जहरीले सांप ने डस लिया। घर में सो रहे पति—पत्नी की हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां सोमवार सुबह इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। यह घटना मोतीपुर थाना क्षेत्र के पडरिया ग्राम में हुई। रविवार रात खाना खाने के बाद सुनील अपनी पत्नी सपना के साथ जमीन पर सो रहे थे। इसी दौरान घर में छिपे एक जहरीले सांप ने दोनों को डस लिया। उनकी चीख सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और कमरे में सांप को देखकर हैरान रह गए। सांप के डसने से गंभीर रूप से घायल दंपत्ति को परिजन आनन—फानन में देर रात बहराइच जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान सोमवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई। मृतक सुनील के पिता गोरखनाथ ने बताया कि सुनील भट्ठे पर ईंट पाथने का काम करता था। उन्होंने कहा कि रात को सभी ने एक साथ खाना खाया था और फिर अपने—अपने कमरों में चले गए। देर रात अचानक बहू और बेटे के चीखने की आवाज सुनकर वे दौड़े और सांप को देखकर दोनों को अस्पताल ले आए थे। नगर कोतवाली पुलिस ने सूचना मिलने पर दोनों शवों को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके।

स्कूल से घर जा रही छात्रा को कार ने रौंदा, मौत

संवाददाता—बहराइच। हाइवे पार करते समय हुआ हादसा आरपीएस इंटर कॉलेज में कक्षा 9 में पढ़ती थी छात्राजरवलरोड, संवाददाता। टैम्पो से उतर कर हाइवे पार कर रही एक छात्रा को कार ने रौंद दिया। आसपास के लोगों ने छात्रा को अस्पताल भेजा। ले जाते समय रास्ते में ही छात्रा ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना कर फरार हो रही कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। गोंडा जिले के कोतवाली करनैलगंज के ग्राम बछलन पुरवा निवासी दिव्या सिंह (14) पुत्री विनोद कुमार सिंह जरवलरोड के आरपीएस इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा है। सोमवार की दोपहर स्कूल से छुट्टी होने के बाद ऑटो से अपने घर जा रही थी।

लखनऊ गोंडा मार्ग पर छतौनी चौराहा के निकट छात्रा टेंपो से नीचे उतरकर जैसे ही हाईवे पार करने लगी, इसी दौरान तेज रफ्तार एक कार उसे रौंदते हुए भाग गई। आस—पास के लोग छात्रा को गंभीरावस्था में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद ले जा रहे थे, लेकिन वहां पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि वाहन को करनैलगंज पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकालकर दिया संदेश

—संवाददाता भारतीय बस्ती— इटवा (सिद्धार्थनगर)। डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के भवनापुर मंडल अंतर्गत ग्राम चौखड़ा में जन आक्रोश महिला पदयात्रा का आयोजन पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह एवं भनवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश ओझा की अगुवाई में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपने अधिकारों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

पदयात्रा के दौरान महिलाओं ने अपने अधिकारों के साथ हुए अन्याय, सामाजिक उपेक्षा तथा राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं के अधिकारों के हनन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर और पार्टी के झंडे लिए महिलाओं ने पदयात्रा निकालकर अपने हक और सम्मान की मांग की।

कार्यक्रम में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को लेकर भी जोरदार चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को राजनीति और निर्णय लेने की प्रक्रिया में समान भागीदारी मिलनी चाहिए। 33ः महिला आरक्षण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारत की महिलाएं अब पूरी तरह जागरूक हैं और उन्हें अपने अधिकारों का पूरा ज्ञान है। महिलाएं आने वाले समय में अपने मताधिकार का प्रयोग सोच—समझकर करेंगी और ऐसे निर्णय लेंगी, जो उनके अधिकारों और सम्मान को मजबूत करेंगे।

भनवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश ओझा ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज और लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और हर स्तर पर सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं में उत्साह, जागरूकता और अपने अधिकारों के प्रति सजगता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

युवक की पीट—पीटकर हत्या का आरोप, शव नग्न अवस्था मे मिला

संवाददाता—कुशीनगर। चौराखास थानाक्षेत्र के सरैया महंथ पट्टी गांव में एक तिलक समारोह के दौरान डीजे पर नाचने को लेकर हुए विवाद में 24 वर्षीय युवक की कथित तौर पर पीट—पीटकर हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह उसका शव गांव के बाहर एक आम के पेड़ के नीचे नग्न अवस्था में मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। गांव में वशिष्ट प्रजापति के बेटे का तिलक समारोह चल रहा था। समारोह के बाद डीजे पर नाचने के दौरान सुबोध गुप्ता (पुत्र लखीचंद गुप्ता) का कुछ युवकों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर सुबोध की कथित तौर पर जमकर पिटाई की गई। डीजे संचालक ने इस घटना की सूचना सुबोध के पिता को दी। मौके पर पहुंचे पिता ने सुबोध को घर चलने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद परिजन घर लौट आए। इसी दौरान आरोपियों ने सुबोध का मोबाइल भी तोड़ दिया और उसकी सिम निकाल ली। सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे ग्रामीणों ने गांव के पश्चिम सरेह में छठ घाट से लगभग 200 मीटर दूर एक आम के पेड़ के नीचे एक युवक का शव पड़ा देखा।

शव नग्न अवस्था में था और उसके सिर व गले पर चोट के निशान थे, जबकि नाक से खून बह रहा था।

सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान सुबोध गुप्ता के रूप में की। घटना की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। मृतक के पिता लखीचंद गुप्ता का रो—रोकर बुरा हाल था। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी तमकुही जयंत यादव और थानाध्यक्ष दिनेश साहनी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए, हालांकि डॉग स्क्वायड को कोई खास सुराग नहीं मिला।

पुलिस ने पूछताछ के लिए छह लोगों को हिरासत में लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मृतक के पिता लखीचंद गुप्ता ने वशिष्ट प्रजापति के पुत्र सहित देवव्रत, भीम, राजकुमार और कुछ अन्य अज्ञात रिश्तेदारों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि तिलक समारोह स्थल से करीब 500 मीटर दूर युवक का शव मिला। सुबोध पेशे से चालक था और चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। सीओ जयंत यादव ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रहे है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

3 दिन में 6,615 परीक्षार्थियों ने छोड़ी होमगार्ड भर्ती परीक्षा: 26,505 ने दिया पेपर, एक भी नकलची नहीं पकड़ा

संवाददाता—गोण्डा। जिले में यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित तीन दिवसीय यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा आज सोमवार देर शाम 5 बजे सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। यह परीक्षा 14 केंद्रों पर छह पालियों में आयोजित की गई थी। कुल 33,120 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी, जिनमें से 26,505 ने भाग लिया और 6,615 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे हैं।

सोमवार को आयोजित परीक्षा की दोनों पालियों की बात करें तो, प्रथम पाली में 4,427 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1,093 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 4,473 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 1,047 परीक्षार्थी गैरहाजिर रहे। परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाएं और बचे हुए प्रश्न पत्र कड़ी सुरक्षा के बीच जमा कराए जा रहे है।

तीन दिवसीय इस परीक्षा के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। सभी केंद्रों की सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही थी। आईजी देवी पाटन रेंज अमित पाठक, गोंडा पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल और गोंडा डीएम प्रियंका निरंजन सहित विभिन्न पुलिस अधिकारियों, सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों द्वारा लगातार निरीक्षण किया गया। इस सख्ती का असर यह रहा कि गोंडा जिले के किसी भी परीक्षा केंद्र पर इन तीन दिनों के भीतर कोई भी मुन्ना भाई या नकलची नहीं पकड़ा गया। जिले में यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा नकल विहीन और सकुशल ढंग से संपन्न हुई है। परीक्षा के दौरान, गोंडा जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर किसी भी परीक्षार्थी के कलावा या मंगलसूत्र नहीं उतरवाए गए। मुस्लिम महिलाओं के धार्मिक महत्व की कोई भी वस्तु भी नहीं हटवाई गई, जिससे उनकी भावनाओं को ठेस न पहुंचे।

परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 14 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, दो एडिशनल एसपी, तीन सीओ, 40 निरीक्षक और 101 उप निरीक्षक सहित कुल 450 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि परीक्षा सकुशल संपन्न हो गई है और परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सभी परीक्षा केंद्र पर प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका पहुंच चुकी है आज दूसरे पाली में भी 5520 परीक्षार्थियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा हुई। गोंडा पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि आज परीक्षा का तीसरा दिन और आखिरी दिन है। सोमवार को दो पाली में परीक्षा होने के बाद सकुशल गोंडा में परीक्षा खत्म गयी। आज भी प्रथम पाली में 5520 और दूसरी पाली में भी 5520 परीक्षार्थियों ने दिया।

"गौ सम्मान आह्वान अभियान" के लिये सौपा ज्ञापन

—संवाददाता भारतीय बस्ती— इटवा (सिद्धार्थनगर)।"गौ सम्मान आह्वान अभियान" के तहत सोमवार को इटवा तहसील परिसर में भाजपा नेता जयवर्धन तिवारी क्षेत्रवासियों के साथ पहुंचे और उप जिलाधिकारी इटवा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार से मांग की कि गौ माता को राष्ट्रव्यापी स्तर पर "राष्ट्रीय माता" का दर्जा दिया जाए तथा इसके लिए संविधान में आवश्यक प्रावधान किए जाएं। साथ ही गौ संरक्षण, संवर्धन और सेवा से जुड़े ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की भी अपील की गई। इस अवसर पर भाजपा नेता जयवर्धन तिवारी ने कहा कि गौ माता केवल आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि "गौ माता का सम्मान, राष्ट्र का सम्मान है। उन्होंने आगे कहा कि गौ संरक्षण से न केवल सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इस अभियान के माध्यम से लोगों को गौ सेवा और संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और सभी ने गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिए जाने की मांग का समर्थन किया।

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता—महराजगंज। जिले के भिटौली थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना भिटौली पेट्रोल पंप के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को अपनी चपेट में ले लिया।

मृतक की पहचान अगया मनियरा बारी निवासी धर्मवीर प्रसाद (लगभग 35 वर्ष) पुत्र छेदी प्रसाद के रूप में हुई है। धर्मवीर अपने पीछे पत्नी प्रमिला (30 वर्ष) और 14 वर्षीय पुत्र कुंदन को छोड़ गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना मिलने पर भिटौली चौकी इंचार्ज यदुवीर यादव और थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार राय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना में शामिल ट्रक को भी जब्त कर थाने भेज दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक तेज गति में था, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और यह हादसा हो गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने सुनीं समस्याएं

संवाददाता—महराजगंज। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने महराजगंज में जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। मंत्री रविवार रात अपने महराजगंज स्थित आवास पर पहुंचे थे। सोमवार सुबह आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, महिलाएं और युवा शामिल हुए। उन्होंने राजस्व, पुलिस, विद्युत, सड़क, स्वास्थ्य और पेंशन से संबंधित शिकायतें मंत्री के समक्ष रखीं। पंकज चौधरी ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को त्वरित और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है। मंत्री ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि केंद्र और प्रदेश सरकार गरीब, किसान, मजदूर और आम नागरिकों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है और लोगों से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। जनता दर्शन कार्यक्रम के बाद, पंकज चौधरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की और आगामी कार्यक्रमों के लिए दिशा—निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहने और सरकारी योजनाओं को जन—जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

स्कॉर्पियो ट्रैक्टर–ट्रॉली में घुसी, 3 दोस्तों की मौत: बॉडी कार के अंदर चिपकी, जेसीबी से निकाली गई

संवाददाता–गोरखपुर। स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़ी सरकारी गेहूं लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में 3 दोस्तों की मौत हो गई। कार का अगला हिस्सा ट्रॉली में घुस गया। इससे तीनों दोस्तों की बॉडी स्कॉर्पियो में चिपक गईं। हादसे की सूचना पर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस बुलाई। पुलिस ने जेसीबी की मदद से तीनों को स्कॉर्पियो से बाहर निकाला। आगे बैठे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पीछे बैठे युवक ने एम्स गोरखपुर ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसा रविवार देर रात साढ़े 11 बजे गोला थाना क्षेत्र में हुआ। कोहड़ी बुजुर्ग गांव में कुणाल यादव (20), अमन उर्फ अजय यादव (21) और अंकुर उर्फ प्रसून यादव (22) रहते थे। रविवार शाम को 6 बजे तीनों स्कॉर्पियो से घूमने निकले थे। रात करीब साढ़े 11 बजे सभी बड़हलगंज से गोला की तरफ लौट रहे थे।

जैसे ही उनकी गाड़ी भर्रोह के पास पहुंची, सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गई। हादसे के बाद जोर का धमका हुआ और कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह से चिपक गया। एयरबैग खुलने के बाद भी तीनों युवक अंदर ही फंस गए। कार की बॉडी उनके शरीर में धंस गई। तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को खुलवाया तो चालक सीट पर बैठे कुणाल यादव और बगल की सीट पर बैठे अमन उर्फ अजय यादव की मौत हो चुकी थी। पीछे बैठे अंकुर उर्फ प्रसून यादव गंभीर रूप से घायल था। उसे बड़हलगंज के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर वहां से एम्स गोरखपुर रेफर कर दिया गया। एम्स पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। वहीं, कोटेदार गिरिजेश दुबे ने बताया कि गेहूं कोटे का नहीं था। गेहूं रानीपुर सहकारी समिति पर जा रहा था। कुणाल यादव इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रहा था। वह दो भाइयों में बड़ा था। उसके पिता ड्राइवर हैं। अमन उर्फ अजय तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसके पिता खेती–किसानी करते हैं। अंकुर उर्फ प्रसून दो भाइयों में छोटा था। उसके पिता भी खेती का काम करते हैं। वहीं, अमन अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। अमन के पिता खेती–किसानी से जुड़े हैं। अंकुर अपने दो भाइयों में सबसे छोटा था और उसका परिवार भी पूरी तरह खेती किसानी करता था। तीनों परिवारों की आर्थिक स्थिति सामान्य बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर गांव में शोक का माहौल है।

वहीं, स्कॉर्पियो मालिक पुष्कर यादव ने बताया– अंकुर उर्फ प्रसून यादव हमारे पास आया। उसने कहा कि पिताजी की तबियत खराब है। सुबह ही दिखाने जाना है, हमें आपकी गाड़ी चाहिए। हमने रात करीब 8 बजे उसे गाड़ी दे दी। इसके बाद से सूचना मिली कि हादसा हो गया है। पुष्कर यादव मैरिज हाउस का मालिक है। कभी थाने वह का वांटेड था। दबंग होने की वजह से नए लड़के उससे जुड़े रहते हैं। थाना प्रभारी राकेश रौशन सिंह ने बताया– मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से लिखित तहरीर नहीं मिली है। हादसे के बाद दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद को प्रसून यादव का शव उनके पैतृक गांव पहुंचा।

छेड़खानी के विरोध पर पिटाई से युवक की मौत, उग्र भीड़ का पुलिस पर पथराव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के गायघाट गांव में रविवार देर शाम बारात की रवानगी के समय डीजे पर डांस कर रही औरतों और लड़कियों से गांव के ही कुछ युवकों ने छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर दबंगों ने दो युवकों की पिटाई कर दी। उनमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक का इलाज चल रहा है। मौत की सूचना पर उग्र ग्रामीणों ने आरोपी के घर को घेरकर तोड़फोड़ करते हुए गांव की रोड जाम कर दी। हटाने की कोशिश पर पुलिस पर पथराव कर दिया। बवाल हो गया। मृतक के चाचा की तहरीर पर आधा दर्जन नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। गायघाट गांव से रविवार को देर शाम के संभल निषाद के बेटे सिंटू की सिकारीगंज थाना क्षेत्र के तामा में बारात जानी थी। उध ार, गायघाट चौराहे पर योगेंद्र की लड़की की बारात आने वाली थी। सिंटू की बारात की रवानगी के समय परछावन की रस्म हो रही थी। डीजे पर औरतें और लड़कियां डांस कर रही थीं। आरोप है कि तभी योगेंद्र के घर के कुछ युवक लड़कियों और महिलाओं से छेड़खानी के साथ उन पर कंकड़ फेंकने लगे। अनिल (22) पुत्र भागीरथी, दीपक पुत्र हरी लाल और उसके पक्ष के कुछ युवाओं ने इसका विरोध किया। इस पर मनबढ़ युवक मारपीट करने लगे। परिजनों ने दोनों पक्षों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। बारातियों को गाड़ी पर बिठाने के बाद अनिल और उसके कुछ दोस्त भी बैठने जा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान दबंगों ने अनिल और उसके दोस्तों पर लाठी–डंडे से हमला कर बुरी तरह पीटने लगे। इसमें अनिल और दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिकारीगंज के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। वहां से रेफर किए जाने पर परिजन गोरखपुर के एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान अनिल की मौत हो गई। सोमवार की भोर में अनिल की मौत की सूचना जैसे ही मिली, आरोपी पक्ष फरार हो गए। उनके घर आई बारात शादी के बाद लौट चुकी थी। रिश्तेदार घर पर ही थे। अनिल के पक्ष के लोगों ने आरोपियों के घरों को घेर लिया और तोड़फोड़ करने करने लगे। किसी ने इसकी सूचना डायल 112 और धनघटा पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने तक अनिल का शव लेकर परिजन भी घर पहुंच गए। इसके बाद ग्रामीण आरोपी पक्ष के घर के बाहर सड़क पर शव रखकर हंगामा और तोड़फोड़ करने लगे। आरोपियों के घर के बाहर रखा समान, बाइक, कुर्सी मेज आदि तोड़ दी।

खाद, बीज और कृषि रक्षा रसायन के 2685 लाइसेंसियों ने बंद रखीं दुकानें

संवाददाता–गोरखपुर। ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के आह्वान पर गोरखपुर जनपद के 2685 बीज, उर्वरक और कृषि रक्षा रसायन बिक्री के लाइसेंस धारकों ने पूर्व घोषणा के मुताबिक सोमवार को अपनी दुकानें बंद रखीं। महानगर से लेकर तहसील और ब्लॉक स्तर तक दुकानें बंद रहीं। गोरखपुर बीज–उर्वरक व्यापारी संघ गोरखपुर के जिला अध्यक्ष श्रद्धानन्द त्रिपाठी ने इसे मांगों के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन बताया है। जनपद में 1235 उर्वरक के थोक एवं फुटकर लाइसेंसधारी विक्रेता हैं। वहीं, 850 की संख्या बीज बिक्री के लाइसेंस धारक हैं। कृषि रक्षा रसायन के लाइसेंस धारकों की संख्या भी तकरीबन 600 है। ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री के आह्वान राष्ट्रव्यापी अनिश्चितकालीन बंद के समर्थन में गोरखपुर जनपद में भी बीज, उर्वरक और कीटनाशक विक्रेताओं ने सोमवार को अपना

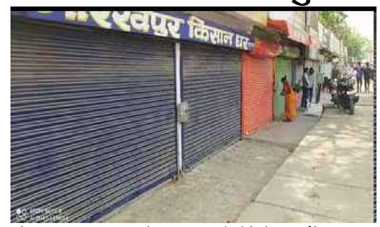

प्रतिष्ठान बंद रखा। संघ के उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, नवनीत जायसवाल, महामंत्री धर्मात्मा मद्धेशिया, महामंत्री मयंक त्रिपाठी, कृष्ण त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष संतोष मार्या ने बताया कि उन्होंने पिछले एक सप्ताह से जनसंपर्क कर व्यापारियों को आंदोलन के समर्थन में दुकानें बंद रखने की अपील की थी। गोरखपुर बीज–उर्वरक व्यापारी संघ गोरखपुर के जिला अध्यक्ष श्रद्धानन्द त्रिपाठी ने बंद को मिले व्यापक जनसमर्थन पर हर्ष व्यक्त किया। मांग किया कि सरकार को अपनी नीतियों पर पुर्नविचार करना चाहिए।

व्यापारियों की प्रमुख मांगों में अनुदानित उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग बिक्री बंद करना। यूरिया और एनपीके की डिलीवरी एफओआर आधार पर उपलब्ध कराना। डीलर मार्जिन को न्यूनतम 8 प्रतिशत करना। सैंपल फेल होने की स्थिति में कार्रवाई निर्माता कंपनी पर करना। 'साथी पोर्टल के माध्यम से बीज बिक्री को केवल कंपनी और डिस्ट्रीब्यूटर तक सीमित करना।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात युवक का मिला शव

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के महुआतर रेलवे क्रॉसिंग से करीब सौ मीटर उत्तर, मानीराम रेलवे स्टेशन की ओर रेलवे ट्रैक पर सोमवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब नौ बजे सूचना मिली कि महुआतर रेलवे क्रॉसिंग के उत्तर दिशा में एक युवक ट्रेन से कट गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास जुटी भीड़ से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है। उसका रंग गेहुआ, चेहरा गोल, कद औसत और शरीर दोहरा था। वह कत्थई रंग की हाफ टी–शर्ट और फुल पैंट पहने हुए था। हादसे में युवक के दोनों पैर टूट गए थे, जबकि सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें थीं, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास शुरू कर दिया है।

चार मंजिला मकान में भीषण आग, एसी शॉर्ट सर्किट से मचा हड़कंप

संवाददाता–गोरखपुर। राजघाट थाना क्षेत्र स्थित मिर्जापुर मोहल्ले में सोमवार सुबह एक चार मंजिला मकान में अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग मकान के तीसरे तल पर लगी, जिसके बाद घर में मौजूद परिवार के लोग शोर मचाते हुए नीचे की ओर भागे और किसी तरह अपनी जान बचाई। आस–पड़ोस के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस और गोलघर फायर स्टेशन को सूचना दी। सूचना मिलते ही राजघाट पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।जानकारी के अनुसार, मिर्जापुर निवासी ऋषभ कश्यप ड्राई फ्रूट्स का कारोबार करते हैं और उनके परिवार में 12 सदस्य रहते हैं। सुबह करीब 8 बजे तीसरी मंजिल पर खिड़की में लगे विंडो एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जो धीरे–धीरे कमरे और फिर पूरे हिस्से में फैल गई। घटना के बाद आसपास के लोग भी अपने बच्चों के साथ घरों से बाहर निकल आए। संकरी गली में मकान होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को दूर खड़ा करना पड़ा, जिससे आग बुझाने में दिक्कत आई। खबर लिखे जाने तक करीब 45 मिनट से अधिक समय से आग पर काबू पाने की कोशिश जारी थी और सुबह 9रू30 बजे तक आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सकी थी।

मेधावियों का सम्मान, बोर्ड परीक्षा में छात्रों ने लहराया परचम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार,(बस्ती)। नगर बाजार स्थित भगवती प्रसाद शंकर देवी इंटर कॉलेज में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया, जिससे पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

हाईस्कूल परीक्षा में प्रिया सिंह ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं प्रिया मौर्य और बुसरा बानो अंसारी ने 92 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। अन्य सफल छात्र–छात्राओं में कृति अग्रहरि (86 प्रतिशत), दिव्यांश उपाध्याय (85प्रतिशत) और पुष्पांजलि (85 प्रतिशत),चंचल मिश्रा(84 प्रतिशत)पलक गौतम(83 प्रतिशत)रुमांशी प्रजापति (82)शामिल रहीं। इंटरमीडिएट वर्ग में काजल यादव ने 84 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रियांशी यादव (82 प्रतिशत) और प्रियंका शर्मा (80 प्रतिशत) साधना यादव(79 प्रतिशत)अनन्या कसौधन(79 प्रतिशत) महिमा यादव(79 प्रतिशत) लक्ष्मी मिश्रा(78 प्रतिशत) पूजा सोनी(77 प्रतिशत) शुभम(76 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके अलावा साधना सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी सफलता अर्जित की।

समारोह में विद्यालय के प्रबंधक रामजी कासौधन, डायरेक्टर एल.पी. गुप्ता, प्रधानाचार्य सूरज कासौधन एवं उपप्रधानाचार्य विजय मिश्रा समेत सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। शिक्षकों ने मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य सूरज कासौधन ने बताया कि इस वर्ष भी पिछले वर्ष की भांति टॉप करने वाले विद्यार्थियों को इंटरमीडिएट तक की शिक्षा निःशुल्क प्रदान की जाएगी। विद्यालय प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक रामजी कासौधान, डायरेक्टर एल.पी. गुप्ता, प्रधानाचार्य सूरज कासौधन एवं उपप्रधानाचार्य विजय मिश्रा सहित सभी शिक्षकगणकृ दिलीप कुमार, रामगोपाल, तौफीक अहमद, राम प्रसाद चौहान, दुर्गा प्रसाद, संजय यादव, कन्हैया लाल यादव, सुनील कुमार, रिंकू मौर्य, आभा सिंह, माजदा खातून, साधना पांडे, अंशिका उपाध्याय, पूजा गुप्ता, शिखर उपाध्याय, सरिता मौर्य और मौसमी यादव ने सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नकदी समेत 66 लाख के जेवरात और लाइसेंसी असलहा उठा ले गए चोर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के डोमसरा गांव में रविवार की रात दो घरों में हुई भीषण चोरी में 66 लाख से अधिक की चोरी का मामला प्रकाश में आया गया है। छह लाख नकदी और 60 लाख के जेवरात के अलावा लाइसेंसी असलहा चोर उठा ले गए। मामले की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। तहरीर के आधार पर केस भी पंजीकृत कर लिया गया है। गांव व आसपास लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। डोमसरा गांव निवासी वशिष्ठ पाण्डेय के घर में चोर रात में छत के रास्ते घुसे। उस समय परिवार के सदस्य सो रहे थे। चोरों ने महिलाओं के कमरे की बाहर से कुंडी बंद कर दी और पूजा घर का ताला तोड़कर आलमारी खंगाल डाली।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सद्दाम हुसैन पुत्र शाले मोहम्मद ग्राम– मलौली गोसाई पोस्ट– शंकरपुर थाना– छावनी जनपद बस्ती का स्थायी निवासी है। मेरा रिलायन्स कम्पनी में बीमा पालिसी नम्बर **51271622** चल रहा है जिसमें मेरा नाम मोहम्मद सद्दाम और जन्म तिथि 1990 अंकित हो गया है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम सद्दाम हुसैन और जन्म तिथि 9–11–1989 है जो मेरे सभी दस्तावेजों में अंकित है। सद्दाम हुसैन और मोहम्मद सद्दाम हुसैन मेरा ही नाम है। मेरे पालिसी बाण्ड में मेरा नाम और जन्म तिथि संशोधन कराया जाय।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की जलकर मौत, ससुरालियों पर हत्या का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के संसरी गांव के टोला करुआ में सोमवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में आग से जल कर मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे महिला के मायके वालों ने ससुरालियों पर जलाकर मार डालने का आरोप लगाया। वहीं सीओ शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी व पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के संसरी गांव के टोला करुआ में राजेन्द्र यादव पुत्र झंगरू के लड़के राजेश यादव की पत्नी मंजू उर्फ लाली(20) की दूसरे मकान के एक कमरे में संदिग्ध परस्थितियों में जलकर मौत हो गई।

घर के लोगों ने इसकी सूचना लड़की के मायके देते हुए जले हुए शव को कपड़े से ढक कर घटना होने वाले रूम को बाहर से बंद कर मायके वालों के आने का इंतजार करने लगे। घटना के लगभग दो घंटे बाद मामले की जानकारी ढेबरुआ पुलिस को हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खोलकर अंदर दाखिल हुई। साथ में गई फॉरेसिक टीम जांच में जुटी रही। मृतका मंजू उर्फ लाली की सास शुभावती ने बताया कि सुबह बहू ने मंजन आदि करने के लिए दूसरे वाले मकान से यहां आई थी। थोड़ी देर बाद कमरे में आग लग गई। आग लगने के समय उसका बेटा राजेश मिट्टी गिराने ट्रैक्टर–ट्रॉली लेकर गया था, जबकि दूसरा बेटा मोहित भैंस चराने गया था। उसके पति राजेंद्र दूध बेचने गए थे।मृतका की मां कपूरा देवी पत्नी सत्यनारायण निवासी दुबौलिया थाना चिल्हिया ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया है कि उसकी बेटी मंजू उर्फ लाली की शादी राजेंद्र यादव के बेटे राजेश निवासी संसरी टोला करुआ के साथ 18 अप्रैल 2024 को हुई थी।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 49/2026

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर

1. कृष्णकान्त उम्र करीब 23 वर्ष पुत्र स्व0 अनिरुद्ध 2– विवेक कुमार प्रियदर्शी नावालिग उम्र करीब 14 वर्ष संरक्षक/वादमित्र भाई हकीकी कृष्णकान्त स्वयं समस्त निवासीगण ग्राम अहिरौली तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ जिला सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक

बनाम

सरकार उ0प्र0 आदि

1– सरकार उत्तर प्रदेश 2– नीलाम पुत्री स्व०अनिरुद्ध 3– नीलू भारती पुत्री स्व० अनिरूद्ध 4– कुमारी दिव्या भारती पुत्री स्व० अनिरुद्ध समस्त निवासीगण ग्राम अहिरौली तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर (पुत्रीगण) 5– मीना पत्नी रामकिशोर निवासिनी ग्राम कोल्हुई तप्पा वारिकपार परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर (पुत्री) 6– पूनम भारती उर्फ पूनम कुमारी पत्नी गौतम प्रसाद निवासिनी ग्राम करछुलिया खालसा तप्पा नगत परगना नौगढ़ तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर (पुत्री) 7– किरन पत्नी राकेश ग्राम बभनी तप्पा डबरा परगना नौगढ़ तहसील संहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर (पुत्री) 8– सुमन पत्नी शिवशंकर निवासिनी ग्राम एकडेंगवा तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर (पुत्री) विपक्षीगण/प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी– 08.05.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पिता मृतक अनिरूद्ध को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि कृष्ण कुमार व विवेक कुमार प्रियदर्शी ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 05 के 08 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 04 के दिवस 20 को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0–C202317000000944

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अनिल प्रकाश

बनाम

श्रीमती मिथिलेश आदि

1. श्रीमती मिथिलेश पत्नी स्वामीनाथ 2. प्रतिमा पुत्री स्वामीनाथ पत्नी अशोक कुमार 3. श्रीमती संजना पुत्री स्वामीनाथ पत्नी बालेन्द्र शेखर पाण्डेय 4. श्रीमती नबिता पाण्डेय पुत्री स्व0 स्वामीनाथ पत्नी मोतीचन्द्र पाण्डेय 5. श्रीमती श्वेता दूबे पुत्री स्व0 स्वामीनाथ पत्नी चन्द्रधर दूबे 6. श्रीमती शिप्रा पाण्डेय पुत्री स्व0 स्वामीनाथ पत्नी संजय कुमार पाण्डेय 7. श्रीमती प्राची दूबे पुत्री स्व0 स्वामीनाथ पत्नी चन्द्र प्रकाश मौजा पिकौरा शिवगुलाम तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

8. जनार्दन 9. जयन्ती पुत्रीगण स्व0 रोहित लाल 10. श्रीमती कलावती पत्नी स्व0 जगदीश पुत्र रोहित लाल 11. अजीत 12. सन्जू 13. अनुराम पुत्रगण स्व0 जगदीश पुत्र रोहित लाल 14. द्वारिका पुत्र अज्ञात 15. सर्वाधार पुत्र गनेशी साकिनान मौजा मनहनडीह तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

16. श्रीमती विमला शुक्ला पत्नी शिव प्रसाद निवासी आमचानी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 17. रामपूजन पुत्र रामदेव 18. जटाशंकर 19. मायाराम पुत्रगण रामदेव साकिनान मौजा राजेडीहा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 20. श्रीमती सरोज पाण्डेय पत्नी लल्लू पाण्डेय निवासीगण बक्शर तप्पा लूदा परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 21. श्रीमती उर्मिला पत्नी राजकुमार निवासी बेड़ारी हाल मुकाम सरजू कालोनी गांवगोडिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

22. श्रीमती प्रेमलता पाण्डेय पत्नी राधेश्याम निवासी परसालाल तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती 23. श्रीमती मीना देवी पत्नी रामकुबेर निवासी सिकराहकीम तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम हाल मुकाम सदर अस्पताल चौराहा गोरखपुर रोड बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण चतुर्थ वग

तारीख पेशी 28–04–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 28 महीना 04 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल पुनरीक्षण सं0–36/2025

अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

केशव राम

बनाम

रामजतन आदि

1. रामजतन उम्र 48 वर्ष 4. वीरेन्द्र उम्र 35 वर्ष पुत्रगण हृदयराम निवासीगण महुघाट तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–05–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

उत्तराधिकार वाद सं0 72/2026

राज कुमार सिंह–सायलान

1. राज कुमार सिह आयु लगभग 39 वर्ष पत्नी स्वर्गीय श्री बीरभद्र सिह 2. श्रीमती नीता सिह आयु लगभग 53 वर्ष पत्नी स्वर्गीय श्री श्रवन कुमार सिह निवासी ग्राम पिपरा खास तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील एवं वि बस्ती

तारीख पेशी 22–05–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 22–05–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

उत्तराधिकार वाद सं0 80/2026

इबरार हुसेन–सायलान

1. इबरार हुसेन आयु लगभग 33 वर्ष पुत्र स्वर्गीय श्री जाहिद अली 2. अफसर अली आयु लगभग 33 वर्ष पुत्र स्वर्गीय श्री जाहिद अली 3. तवारक हुसेन आयु लगभग 33 वर्ष पुत्र स्वर्गीय श्री जाहिद अली सभी निवासी ग्राम महमूदपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील एवं जिला बस्ती

तारीख पेशी 06–05–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 06–05–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

इजरा वाद सं0–01/2026

रामेश्वर सिंह

बनाम

राघवेन्द्र प्रताप बहादुर पाल आदि

1– राघवेन्द्र प्रताप बहादुर पाल उम्र लगभग 40 साल पुत्र कृष्ण प्रताप नरायन बहादुर पाल साकिन मौजा बेहिल पोस्ट पगार तप्पा बड़गो पगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 28 माह 04 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com